ECONOMICS

B A PART III

PAPER VII

Statistical Methods

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की Website ncert.nic.in पर जाएं।
- इसके मुख्य page पर सबसे ऊपर Link लिखा हुआ है।

Link के विषय सामग्री (content) में E-Books दिया हुआ है। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज पर E-Books के नीचे

Textbooks of Classes I-XII (PDF)

लिखा मिलेगा। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- पुनः नए पेज पर

Select Class में **Class XI** के गोले को दबाएं ।

Select Subject में **Statistics** के गोले को दबाएं ।

Select Book Title में **Sankhyiki** के गोले को दबाएं ।

पुनः **Go** के गोले को दबाएं ।

- पुस्तक "अर्थशास्त्र में सांख्यिकी" का चित्र आयेगा। साथ ही बाएं इसके अध्यायों की सूची आयेगी।
- इसके **छठा अध्याय, chapter - 6** "परिक्षेपण का माप" का अध्ययन करें।

किसी भी औसत की सीमा होती है क्योंकि किसी भी वितरण के सभी आंकड़े एक समान नहीं होते हैं। आंकड़ों में विचलन (एकरूपता या समानता का अभाव) होता है। अतः यह अध्ययन करना आवश्यक है कि आंकड़ों में औसत से कितना अंतर अथवा विचलन है।

इसे Mean of Second Order भी कहते हैं क्योंकि यह औसत से अंतर का औसत है।

आज हम परिक्षेपण के माप के एक और विधि का अध्ययन करेंगे :-

5. *लोरेंज वक्र (Lorenz Curve)*

आय की असमानता या किसी भी बारंबारता वितरण में असामनता का लोरंज वक्र प्रचलित माप है। सामान्यतः हम देखते हैं कि किसी देश की 20% जनता के पास राष्ट्रीय आय का 80% हिस्सा होता है जबकि शेष 80% जनता 20% आय पर गुजारा करती है।इस परिस्थिति का Lorenz वक्र द्वारा अध्ययन किया जा सकता है तथा Lorenz गुणांक के रूप में एक अंक निकाला जा सकता है जो सार्थक रूप से यह बता सके कि दो काल खण्ड में किसी देश की आर्थिक असमानता बड़ी है या घाटी है। साथ ही हम किन्हीं दो देशो की आर्थिक असमानता का अर्थपूर्ण ढंग तुलनात्मक अध्ययन / समीक्षा कर सकते हैं।

"परिक्षेपण का माप" अध्याय के अंत में किसी आय के बारंबारता वितरण से लॉरेंज वक्र का निर्माण कैसे किया जाता है यह समझाया गया है।

यह अवधारणा आगे अर्थशास्त्र के ज्ञान और अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है। जब हम आर्थिक विकास की योजना बनाते हैं तो यह प्रयास रहता है कि देश की आर्थिक नीतियों से आर्थिक असमानता कम हो। लेकिन विकास के क्रम में आर्थिक असमानता घटी या बड़ी इसका माप तो Lorenz गुणांक से ही हो सकता है जिसकी गणना लौरंज वक्र के माध्यम से होती है।

इस क्षेत्र से १० अंक का एक प्रश्न अवश्य पूछा जाता जो सामान्यतः theoritical प्रश्न के रूप में होता है। अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

- इस पुस्तक में 9 अध्याय हैं। सभी हमारे कोर्स से संबंधित और उपयोगी हैं। इस पुस्तक का अध्ययन खासकर उन छात्रों के लिए उपयोगी है जिन्होंने इससे पहले सांख्यिकी का अध्ययन नहीं किया है।
- इस प्रथम परिचय पुस्तक को पढ़ने के बाद BA level की अन्य पुस्तकों का अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

साथ ही कई प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनकी समझ और विश्वास में निरंतर अभ्यास से वृद्धि हो।

कोरोनावायरस की इस विभीषिका काल में **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण परिषद (NCERT)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara